विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय -संस्कृत दिनांक 12-4-2021

वर्ग अष्टम शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

सुप् प्रत्ययाः - (Sup Pratyaya) = Silent Response

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम (कर्ता)	सु (:)	औ	जस् (अ)
द्वितीय (कर्म)	अम्	औट् (औ)	शस् (अस्)

तृतीया (करण) टा (आ) भ्याम् भिस् (भिः)

चतुर्थी (सम्प्रदान) डे (ए) भ्याम् भ्यस् (भ्यः)

पञ्चमी (अपादान) ङसि (अ☺ भ्याम् भ्यस् (भ्यः)

षष्ठी (सम्बन्ध) ङस् (अः) ओस् (ओ☺ आम्

सप्तमी (अधिकरण) ङि (इ) ओस् (ओ☺ सुप् (सु)

सम्बोधन सु औ जस् (अ☺

सुप् प्रत्ययाः प्रातिपदिक -

धातु, प्रत्यय और प्रत्ययान्त को छोड़कर सार्थक शब्द को प्रातिपदिक कहते हैं। कृत्-प्रत्ययान्त, तद्धित-प्रत्ययान्त और समास (समस्त-पद) को

भी प्रातिपदिक कहते हैं। प्रतिपदिक शब्दों को अजन्त तथा हलन्त दो भागों में बाँटा जाता है।

।